संचार निदेशक, रांची के विरुद्ध सी०बी० आई० की जांच

1430. श्री राम अवधेश सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्री ए०के० सिन्हा, संचार निदेशक, रांची को जब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा एक प्रतिष्ठा की पदवी दिलायी गई, उस समय उनके विरुद्ध सी०बी० आई० की जांच चल रही थी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उन्होंने एक या दो व्यक्तियों को एस०टी०डी० के साथ सैकड़ों टेलीफोन बूथ आबंटित किये हैं और उसके एवज में भारी कमीशन लिया है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) जब श्री ए०के० सिन्हा बतौर निदेशक दूरसंचार डिब्रूगढ़ में तैनात किए गए थे और वे 25-8-1982 से 4-1-1990 की अवधि में वहां कार्य कर रहे थे तब उनके विरुद्ध जांच-पड़ताल संबंधी सी०बी०आई० के दो मामले दर्ज किए थे। एक मामले में केन्द्रीय सतकर्ता आयोग से परामर्श करके नियमित विभागीय कार्रवाई आरम्भ की जा चुकी है। दूसरा मामला सी०बी० आई० द्वारा बन्द कर दिया गया है। श्री सिन्हा को कोई सरकारी पुरस्कार नहीं दिया गया है। परन्तु, ऐसा पता चला है कि एक स्वयंसेवी संगठन, इंटर-नेशनल फ्रेंडशिप सोसायटी आफ इंडिया द्वारा उन्हें असम तथा उत्तर-पूर्वी सर्किलों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए "विजय रत्न" पुरस्कार प्रदान किया गया था।

(ख) जनवरी, 1990 से जून, 1991 तक के दौरान केवल 19 निजी पे-फोन खोले गए थे। मुख्य महाप्रबन्धक बिहार दूरसंचार सर्किल द्वारा इन मंजूरियों में किसी प्रकार की कोई अनियमितताएं नहीं पाई गई हैं।

(ग) उपर्युक्त (ख) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

Cellular Telephones

1431. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state;

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned "India set to import Cellular Telephones" published in the Hindustan Times dated 7th July, 1991;

(b) if so, what are the reasons for revival of above mentioned proposal when the previous Chairman of the Telecom. Commission had shown his unwillingness and opposed import of car telephones in the country;

(c) whether the present deal, apart from U.S. firm "Motorola", Government held negotiations with other leading and equally reputed firms in the system, if not, what are the reasons therefor; and

(d) what is the total amount of foreign exchange now involved when the country is in dire need of foreign exchange, indicating initially imported equipment and proposed allocation of such telephone lines in different cities in the country?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) and (b) Yes Sir. Although the Department is working .on a scheme in con-